वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 256 बुधवार 11 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

उप राष्ट्रपति धनखड़ की राज्यपाल ने अगवानी की

जयपुर. शाबाश इंडिया

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के मंगलवार को सांगानेर एयरपोर्ट पहुंचने पर राज्यपाल कलराज मिश्र ने उनकी अगवानी की और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, मुख्य सचिव उषा शर्मा एवं पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पुष्पगुच्छ भेंट कर उप राष्ट्रपति का स्वागत किया।

उपराष्ट्रपति आज करेंगे पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का उद्घाटन

लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा उपसभापति का किया अभिवादन

जयपुर. कासं। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्य सभा के उप सभापति हरिवंश से मुलाकात कर उनका अभिवादन किया। डॉ. जोशी ने बिरला और हरिवंश का दुपट्टा पहनाकर अभिवादन किया। उल्लेखनीय है कि बिरला और हरिवंश 83वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में भाग लेने के लिए आज जयपुर पहुंचे। डॉ. जोशी ने दोनों को सम्मेलन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ 83वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन का बुधवार को प्रातः 10:30 बजे राजस्थान विधानसभा में उद्घाटन करेंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे। सम्मेलन में स्वागत उद्बोधन राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी देंगे। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता गुलाब चन्द कटारिया सहित देशभर से आए पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में मौजूद रहेंगे। इससे पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ का मंगलवार को जयपुर एयरपोर्ट पहुँचने पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने स्वागत किया।

कांग्रेस के 47 ब्लॉक अध्यक्ष और नियुक्त

धारीवाल के क्षेत्र में दोनों ब्लॉक अध्यक्ष बनाए, अब भी 165 ब्लॉक बिना अध्यक्षों के

जयपुर. कासं। कांग्रेस में किस्तों में संगठन की नियुक्तियों का दौर जारी है। कांग्रेस ने आज 47 ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की है। इससे पहले 100 और 88 ब्लॉक अध्यक्ष बनाए थे। आज की 47 नियुक्तियों को मिलाकर अब तक 400 में से 235 ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति हो चुकी है।

अब भी 165 ब्लॉकों में अध्यक्षों की नियुक्ति होना बाकी है। इस बार मंत्री शांति धारीवाल और महेश जोशी के विधानसभा में ब्लॉक अध्यक्ष नहीं बने थे, उनमें से शांति धारीवाल के क्षेत्र कोटा नार्थ में दोनों ब्लॉक अध्यक्ष बना दिए गए हैं। मंत्री महेश जोशी के क्षेत्र हवा महल में दोनों ब्लॉक अध्यक्ष नहीं बने हैं। अब तक दो लिस्टों में धारीवाल और महेश जोशी के क्षेत्रों को जगह नहीं मिली थी। अजमेर में 3, बांसवाड़ा में 4, बाड़मेर में 2, भीलवाड़ा में एक, बीकानेर में 4, चूरू में 2, धौलपुर में 2 हनुमानगढ में 3, जयपुर, जोधपुर जिले में 2 ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। कोटा जिले में 6, नागौर में 3, पाली, में 4, टोंक में एक, उदयपुर और राजसमंद में 4-4 ब्लॉक अध्यक्ष बनाए गए हैं।

हरिदेव जोशी यूनिवर्सिटी में छात्रों ने लगाया ताला: बोले...

न बैठने की व्यवस्था, ना पीने को मिल रहा पानी; 8 सूत्री मांगों को लेकर धरना जारी

जयपुर. कासं

जयपुर की हरिदेव जोशी यूनिवर्सिटी के छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन और सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को 8 सूत्री मांगों को लेकर बड़ी संख्या में छात्रों ने यूनिवर्सिटी कैंपस में विरोध प्रदर्शन कर प्रशासनिक भवन पर ताला जड़ दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार हमारी वाजिब मांगों को पूरा नहीं करेगी। हम यही धरने पर बैठे रहेंगे। हरिदेव जोशी यूनिवर्सिटी के छात्र संघ अध्यक्ष सोमू आनंद ने कहा कि 3 साल से ज्यादा का वक्त बीत गया है। लेकिन अब तक यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के बैठने तक की व्यवस्था नहीं है। डिजिटल युग में यूनिवर्सिटी में खटारा और खराब कंप्यूटर रखे गए हैं। जिनमें वीडियो, ऑडियो एडिटिंग के सॉफ्टवेयर तक उपलब्ध नहीं है। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी का प्लेसमेंट सेल पूरी तरह से

निष्क्रिय है। जिसकी वजह से 3 साल में किसी भी स्टूडेंट को यूनिवर्सिटी से प्लेसमेंट नहीं मिल पाया है। ऐसे में जब तक यूनिवर्सिटी प्रशासन हमारी वाजिब मांगों पर कोई एक्शन नहीं लेगा, हम यहीं धरने पर बैठे रहेंगे। यूनिवर्सिटी की छात्र संघ उपाध्यक्ष सारा इस्माइल ने कहा कि कैंपस में छात्रों को पीने तक के पानी की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में यूनिवर्सिटी प्रशासन जब तक हमारी 8 सूत्री मांगों को पूरा नहीं करेगा। हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का राष्ट्रीय अधिवेशन उज्जैन में संपन्न

राजस्थान रीजन जयपुर के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या को पूरे भारतवर्ष मे सर्वश्रेष्ठ रीजन अध्यक्ष चुना गया, राजस्थान रीजन जयपुर में सन्मति ग्रुप को सर्वश्रेष्ठ ग्रुप तथा सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष राकेश गोदिका को श्रेष्ठ अध्यक्ष चूना...

उज्जैन. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल फेडरेशन का राष्ट्रीय अधिवेशन 7 व 8 जनवरी 2023 को उज्जैन में संपन्न हुआ देशभर से पधारे लगभग 3000 सदस्यों में राजस्थान रीजन जयपुर के लगभग 106 सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम दिनांक 7 जनवरी को स्वर सुधा अंताक्षरी के मेगा फाइनल से शुरू हुआ। इसमें राजस्थान रीजन जयपुर की तरफ से मैत्री ग्रुप व संगिनी फॉरएवर ग्रुप ने भाग लिया तथा मैत्री ग्रुप के आलोक पटौदी तथा रीमा पटौदी ने 10 टीमों में दूसरा स्थान प्राप्त किया एवं 5000 रुपए का नगद पुरस्कार प्राप्त कर रीजन का गौरव बढ़ाया।

@...निरंतर पेज 3 पर

डीजेएसजीएफ डांस के सितारे सीजन 3 का मेगा फाइनल आयोजित

....जारी

उज्जैन. शाबाश इंडिया

दोपहर में भोजन के पश्चात बहुप्रतीक्षित बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा प्रायोजित अखिल भारतवर्षीय नृत्य के महा मुकाबला में डीजेएसजीएफ डांस के सितारे सीजन 3 का मेगा फाइनल आयोजित किया गया। अलग-अलग आयु वर्ग में हुए मुकाबलों में 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा प्रथम व द्वितीय पुरस्कार व सांत्वना पुरस्कार जीते। राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा कार्यक्रम का मेगा फाइनल राष्ट्रीय अधिवेशन में आयोजित किया गया तथा हजारों रुपए के नगद इनाम वितरित किए गए । साथ ही विजेताओं को क्रॉउन शेशे लगाकर सम्मानित किया गया ।डांस के सितारे के चेयरमैन सुरेंद्र पांड्या , मुख्य समन्वयक नवीन सेन जैन , को - चेयरमैन श्रीमती शशि सेन जैन, राष्ट्रीय समन्वयक यशकमल अजमेरा , रीजन संस्थापक अध्यक्ष अनिल कुमार जैन कढ़र, रीजन के अध्यक्ष राजेश बडजात्या , महासचिव निर्मल संघी, कोषाध्यक्ष पारस कुमार जैन , राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश कासलीवाल, शिरोमणि संरक्षिका पुष्पा कासलीवाल, महासचिव दिनेश दोषी , कोषाध्यक्ष रमेश बड़जात्या के सहयोग से आयोजित की गई प्रतियोगिता में राजस्थान रीजन जयपुर की अंकिता जैन ,संगिनी फॉरएवर ग्रुप द्वितीय स्थान पर रही ।नीरज जैन ने मंच संचालन किया । अलग-अलग रीजन द्वारा अलग-अलग थीम पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई जिसमें मुख्य आकर्षण आज का ज्वलंत विषय सम्मेद शिखर बचाओ रहा तथा अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने डीजे पर जमकर नृत्य किया इस तरह अधिवेशन का प्रथम दिवस समाप्त हुआ। अधिवेशन का मुख्य दिवस 8 जनवरी को प्रातः 10:00 से 27 ध्वज का ध्वजारोहण कर किया गया । 27 वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन है इसलिये 27 ध्वज लगाये गये तत्पश्चात शानदार नृत्य , ध्वज गायन आदि से कार्यक्रम को सजाया गया। सभी उपस्थित अतिथियों का माला दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया मंच संचालन राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष हंसमुख गांधी ने किया स्वागत उद्बोधन राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश कासलीवाल, महासचिव दिनेश दोषी द्वारा फेडरेशन की गत वर्ष की गतिविधियों पर अपने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात

फेडरेशन की शिरोमणि संरक्षिका पुष्पा कासलीवाल ने सभी पधारे ग्रुप सदस्यों का भाव भीना स्वागत किया तथा अनेक अनेक बधाइयां प्रेषित की । कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए उज्जैन रीजन की भूरी भूरी प्रशंसा की तथा आगामी फेडरेशन के वर्ष 2023 - 24 के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए राकेश विनायका का मनोनयन किया ।फेडरेशन के अधिवेशन का मुख्य आकर्षण बैनर प्रेजेंटेशन शुरू हुआ जिसमें 125 ग्रुपों ने भाग लिया राजस्थान रीजन जयपुर ने बहुत जोर शोर से भाग लिया वह अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करायी राजस्थान रीजन जयपुर ने ग्रुपों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सम्मानित करने की भावना रखते हुए इन ग्रुपों के बैनर प्रेजेंटेशन को देखते हुए मैत्री ग्रुप को प्रथम पुरस्कार, वीर ग्रुप को द्वितीय पुरस्कार तथा संगिनी फॉरएवर ग्रुप, गुलाबी नगर ग्रुप, सम्यक ग्रुप को सांत्वना पुरस्कार राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा देने का निर्णय लिया।

राजस्थान रीजन को मिले अनेक पुरस्कार

राजस्थान रीजन जयपुर के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या को सर्वश्रेष्ठ रीजन अध्यक्ष तथा रीजन महासचिव निर्मल संघी को श्रेष्ठ रीजन सचिव से पुरष्कृत किया गया तथा राजस्थान रीजन जयपुर को श्रेष्ठ रीजन के पुरस्कार से नवाजा गया। इसी तरह अलग-अलग श्रेणियों में राजस्थान रीजन जयपुर के ग्रुप को पुरस्कृत किया गया राजस्थान रीजन जयपुर में रीजन ग्रुप में सन्मति ग्रुप को सर्वश्रेष्ठ ग्रुप वीर ग्रुप को श्रेष्ठ ग्रुप तथा वीर ग्रुप के अध्यक्ष नीरज जैन को श्रेष्ठ अध्यक्ष तथा सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष राकेश गोदिका को श्रेष्ठ अध्यक्ष एवं सुनील बड़जात्या मैत्री ग्रुप को श्रेष्ठ सचिव विनोद बड़जात्या गुलाबी नगर ग्रुप को श्रेष्ठ सचिव के पुरस्कार से नवाजा गया । डॉक्टर मोहनलाल जैन मणि व राजेंद्र बाकलीवाल को चिकित्सा सेवाओं के लिए विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया । उज्जैन रीजन द्वारा राष्ट्रीय अधिवेशन में सभी सदस्यों के लिए शानदार आवास व्यवस्था, शानदार आवागमन का साधन, स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई जिसकी सभी सदस्यों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की तथा अगले राष्ट्रीय 28 व राष्ट्रीय अधिवेशन में फिर से मिलने की भावना भाई गई अंत में शांति पाठ के साथ राष्ट्रीय अधिवेशन का समापन किया गया ।

श्री पद्मावती पुरवाल दिगंबर जैन समाज: नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

नववर्ष मिलन समारोह का हुआ आयोजन

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। श्री पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन समाज राजस्थान जयपुर द्वारा श्री श्योजी गोधा की नसिया आमेर रोड़ में नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं नववर्ष मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों ने शपथ ग्रहण की । जिसमें अध्यक्ष पवन तिलक, सचिव संदीप कुमार जैन कोषाध्यक्ष डॉ.सुनील जैन तथा अन्य पदाधिकारियों में अनिल जैन, संजय जैन, नवीन जैन, प्रशांत जैन, पूनम तिलक, राखी जैन, नीतू जैन, शिखा जैन ने भी शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम में समाज के 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया साथ ही समाज के वृद्ध जनों का सम्मान, सामुहिक मिलन, गोठ तथा कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ सांस्कृतिक मंत्री राखी जैन एवं कार्यकारणी की सभी महिलाओं द्वारा हाऊजी, आकर्षक गेम खिलाएं गए । मंच संचालन पुनम तिलक ने किया

वेद ज्ञान

देवता का अर्थ प्रकाश

देवता संस्कृत भाषा के दिव धातु से बना है जिसका अर्थ प्रकाश है। सूर्य को प्रथम और प्रत्यक्ष देवता इसीलिए कहा गया है कि वह प्रकाश के साथ जड़-चेतन को ऊर्जा देता है। जब खुद के या किसी अन्य के जीवन में अंधेरा दिखाई पड़े तो उसे आत्मबल की ऊर्जा देकर कोई भी व्यक्ति देवता की श्रेणी में खड़ा हो सकता है। मानव देवी-देवता की पूजा-आराधना करता है। वह किसी एक देवता को ईष्ट बनाए या अन्यान्य देवी-देवताओं की पूजा जब करे तो इस बात पर जरूर ध्यान दे कि जिस देवी-देवता की पूजा की जा रही है वे क्यों पूजनीय हुए? जिन कार्यों से वे पूजनीय और वंदनीय हुए वही आचरण पूजक को अपने जीवन में अपना कर पूजनीय व्यक्तित्व बनाने का कार्य करना चाहिए। ऐसा नहीं कि हम पूजा तो भगवान विष्णु, भगवान शंकर, मां दुर्गा की करें और आचरण रावण या लंकिनी-डंकिनी का करें। यह तो और घातक है। रावण, कंस या धृतराष्ट्र जैसे परम शक्तिशाली राजा तक हर पल डरे-डरे रहते रहे। डर व्यक्ति के शरीर और मन पर घातक असर डालता है। कोई भी व्यक्ति छल-छद्म, धोखा-विश्वासघात, शोषण और उत्पीड़न में संलग्न है तो एक अज्ञात भय उसमें धीरे-धीरे समाने लगता है। जबकि सदाचार का जीवन बनाने से आत्मबल मजबूत होता है। जिंदगी में विपरीत स्थितियां मनुष्य की परीक्षा लेती हैं। इस हालत में सबसे पहले धैर्य बनाए रखना चाहिए। इसी के साथ सत्य एवं सदाचार को मजबूती से धारण रखना चाहिए। विपरीत हालात में आलस्य का भाव उत्पन्न होता है। काम में मन नहीं लगता। ऐसी स्थिति में आनन-फानन में बिना सोचे-समझे कोई नकारात्मक कदम उठा लेने पर उसके गंभीर परिणाम ही होंगे। उलटे-पलटे काम से हमेशा डर बना रहेगा। तात्कालिक लाभ का मतलब विधिक सिद्धांतों के खिलाफ किया गया कार्य है। फिर तो उसे छुपाने के लिए झूठ-फरेब का आवरण ओढ़ना पड़ता है जो मनुष्य को देवता नहीं दैत्य की श्रेणी में ले जाता है। मन में ग्लानि भी होने लगती है, लेकिन बाह्य स्तर पर आदर्श की बात करनी पड़ती है। जीवन में द्वंद्व उत्पन्न होता है जो सर्वाधिक कष्टदायी स्थिति होती है। मन धिक्कारता है। घर-परिवार या समाज में साहस के साथ खड़े होने में हिचक होती है। बचाव के उपाय ढूंढ़ने पड़ते हैं।

संपादकीय

राहुल गांधी की यात्रा को लेकर थोड़ा गंभीर बीजेपी

नए साल के इस पहले हफ्ते में एक नई चीज देखने को मिली। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता थोड़े से परेशान दिखे, राहुल गांधी को लेकर। आमतौर पर ये लोग गांधी परिवार के वारिस का नाम सुनते ही मजाक करते आए हैं। कभी राहुल को 'बावन वर्ष का बच्चा' बुलाते हैं और कभी 'पप्पू'। फिर शुरू हो जाते हैं राहुल की पुरानी गलतियां गिनाने। मगर जिस दिन भारत जोड़ो यात्रा रवाना हुई दिल्ली से उत्तर प्रदेश के लिए, इन प्रवक्ताओं से जब टीवी चर्चाओं में इस यात्रा के बारे में पूछा गया, तो ऐसा लगा उनकी बातों से कि अब वे राहुल गांधी की यात्रा को लेकर थोड़ा गंभीर हो गए हैं। अब जब आलोचना करना चाहते हैं तो अक्सर इतना ही कहते हैं कि असली परीक्षा इस यात्रा की तब होगी जब राहुल गांधी को देखने जो लोग एकत्रित होते दिखे हैं यात्रा की शुरूआत से, क्या ये लोग उनको वोट भी देंगे। कहने का मतलब यह है कि अब राहुल गांधी उनके लिए सिर्फ 'पप्पू' नहीं रहे। अब उनकी नजर में वे राजनेता बन गए हैं और 2024 में नरेंद्र मोदी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी बन सकते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि पिछले आठ सालों में खूब पिटने के बावजूद कांग्रेस पार्टी ही वह दल है, जो भारतीय जनता पार्टी को चुनौती दे सकती है अगले लोकसभा चुनाव में। प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में विपक्षी राजनेता और भी हैं। फेहरिस्त लंबी है, लेकिन कुछ नाम जो सबसे ऊपर हैं, वे हैं नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, शरद पवार, अखिलेश यादव, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और ओड़िशा के नवीन पटनायक। बड़े राजनेता हैं ये सब, लेकिन इनमें से सब ऐसे हैं, जिनके राजनीतिक दल उनके बिना चल ही नहीं सकते हैं। परिवारवाद की राजनीतिक बीमारी इन सबमें है और इससे कमजोर हैं इन राजनीतिक दलों की जड़ें। कांग्रेस ही एक ऐसा राजनीतिक दल है विपक्ष में, जिसमें परिवारवाद के रोग के बावजूद पार्टी के राजनीतिक ढांचे को कायम रखा गया है। सबूत है अगर तो यही कि इस यात्रा को इतनी दूर तक लाना मुश्किल होता, अगर कांग्रेस की जमीनी संस्था थोड़ी-बहुत जीवित न होती। इतने चुनाव हारने के बाद भी अनुमान लगाते हैं चुनावी पंडित कि कांग्रेस का 'वोट शेयर' बीस फीसद से कम नहीं है। किसी दूसरे विपक्षी दल के पास इतनी ताकत नहीं है, सो ठीक कहते हैं वे लोग जो मानते हैं कि विपक्षी एकता कांग्रेस पार्टी के बिना कभी बन ही नहीं सकती है। अभी तक कांग्रेस की समस्या रही है नेतृत्व को लेकर। सोनिया गांधी की सेहत कमजोर रही है। प्रियंका गांधी अभी तक साबित नहीं कर पाई हैं कि उनमें राजनीतिक समझ है या नहीं। ऊपर से श्रीमतीजी के जीवन साथी राबर्ट वाड्रा उनकी छवि को खराब करते हैं जब भी वे दिखते हैं उनके आसपास मंडराते हुए। रही बात इस परिवार के असली वारिस की, तो राहुल गांधी ने इतनी विदेशी छुट्टियां मनाई हैं पिछले आठ वर्षों में कि उनको गंभीरता से लेना मुश्किल था, खासकर इसलिए कि वे कई बार गायब हुआ करते हैं चुनाव हारने के फौरन बाद। भारत जोड़ो यात्रा जब शुरू हुई थी, तो मोदी के भक्तों ने खूब मजाक उड़ाया था कि राहुल गांधी बीच में निकल कर भाग जाएंगे किसी बाहरी देश में आराम करने। मगर ऐसा करने के बजाय रोज दिखे हैं राहुल गांधी यात्रा का नेतृत्व करते हुए और एक नया आत्मविश्वास दिखाते हुए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नोटबंदी के आयाम

ह इसमें कोई संदेह नहीं कि नोटबंदी के मामले में केंद्र सरकार कानूनी लड़ाई जीत गई है। चार एक के फैसले से माननीय सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने याचिकाकर्ताओं की सभी दलीलों को खारिज कर दिया। एक बार जब सर्वोच्च अदालत कानून की घोषणा कर दे, तो सभी नागरिकों के लिए उसके निष्कर्ष बाध्यकारी होते हैं। असहमति वाला यह फैसला कानून की विचार करने की भावना और भविष्य की बुद्धिमत्ता के लिए एक आकर्षण भर रहेगा। उन छह सवालों को लेकर अदालत की क्या राय रही, जो उसी ने तय किए थे? आरबीआइ अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2) के तहत केंद्र सरकार को बैंक नोटों की सभी शृंखलाओं का (एक या अधिक मूल्य के) विमुद्रीकरण करने का अधिकार है। धारा (26), उपधारा (2) वैध है और इसे अत्यधिक प्रदत्त शक्तियों के उदाहरण के रूप में खत्म नहीं किया जा सकता। तात्कालिक मामले में निर्णय प्रक्रिया दोषपूर्ण नहीं थी। पूर्ण हो चुकी नोटबंदी आनुपातिक परीक्षण पर खरी उतरी। नोट बदलने के लिए दिया गया समय पर्याप्त था। अनुबंधित समयसीमा के बाद बंद किए गए नोटों को स्वीकार करने का आरबीआइ को अधिकार नहीं है। तकनीकी कानूनी सवालों को दरकिनार कर दें, तो सवाल एक और तीन के जवाब में ही पाठकों की दिलचस्पी होगी। केंद्र सरकार के नोटबंदी के अधिकार पर अदालत ने कहा कि यह संसद के अधिकार के समान था, बशर्ते इसके लिए आरबीआइ ने सिफारिश की हो। निर्णय प्रक्रिया पर अदालत ने कहा कि आरबीआइ के केंद्रीय बोर्ड ने सभी संबंधित पहलुओं पर विचार किया था और कैबिनेट ने भी सभी संबंधित पहलुओं पर विचार कर लिया था। अदालत ने कुछ अन्य पहलुओं पर भी टिप्पणी की, जो पाठकों के लिए दिलचस्प होंगी। इस सवाल पर कि क्या नोटबंदी के लक्ष्यों को हासिल कर लिया गया या नहीं, अदालत ने कहा कि इस सवाल की गहराई में जाने के लिए उसके पास विशेषज्ञता नहीं है। लोगों को हुई मुश्किलों के बारे में अदालत ने कहा कि सिर्फ कुछ नागरिकों को परेशानी हुई, यह इस बात का आधार नहीं होगा कि निर्णय कानूनन बुरा था। इस प्रकार कानूनी पहलुओं का फैसला सरकार के पक्ष में हुआ। हो सकता है कि कानूनी सवालों के जवाबों से दलीलें बंद हो जाएं, लेकिन दो अन्य आधारों पर बहस शुरू हो जाएगी। द इंडियन एक्सप्रेस, द हिंदू और टाइम्स आफ इंडिया के संपादकीयों में इन पर गौर फरमाया गया है। पिछले दो मौकों पर- 1946 और 1978 में एक अध्यादेश, जो संसद के कानून की जगह लाया गया था, के जरिए उच्च वर्ग मूल्य के नोट बंद किए गए थे। ऐसा पूर्ण विधायी शक्ति का इस्तेमाल करते हुए किया गया था। तब के रिजर्व बैंक गवर्नर ने नोटबंदी को समर्थन देने से इनकार कर दिया था। इसलिए संसद ने कानून पास किया। इसके नतीजों, चाहे अच्छे हों या बुरे, की जिम्मेवारी और लोगों को हुई मुश्किलों के लिए सांसद जिम्मेदार हैं, जिन्होंने कानून पास किया। संसद में इस पर बहस हुई और मान लिया गया कि फैसले की पुष्टि से पहले जन प्रतिनिधियों ने सभी संबंधित पहलुओं पर विचार कर लिया था। क्या यही बात आठ नवंबर, 2016 को कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए की गई नोटबंदी के मामले में भी कही जा सकती है? संसद को कोई भूमिका नहीं निभानी थी। तार्किक रूप से, नोटबंदी की नाकामी या उसके आर्थिक नतीजों के लिए जनप्रतिनिधियों को दोष नहीं दिया जा सकता।

बेस्ट मास्टर चेफ फ्लेम लेस कुकिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन सम्पन्न

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। जैन सोश्यल ग्रुप क्लासिक द्वारा 8 जनवरी को बेस्ट मास्टर शेफ फ्लैमलेस कुकिंग अपने सदस्यो के लिए आयोजित की गई । ऑर्गनाइजिंग टीम शेफ क्रेजी क्रू द्वारा ग्रुप के दंपति सदस्यो को 7 टीमों में बाटा गया सभी टीमों को ग्रुप के द्वारा 4 वैरायटी बनाने के लिए सभी इंग्रेडिएंट्स ग्रुप द्वारा दिए गए। कार्यक्रम के जज फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट

के प्रिंसिपल एस के कौशल, शेफ देवेंद्र पंवार, मधुरिमा कुकिंग क्लास को डायरेक्टर मनीषा शेखावत ने सभी 7 टीमों के बेस्ट टेस्ट, बेस्ट प्लाटिंग एंड प्रेजेंटेशन, बेस्ट डिश, बेस्ट क्लीनेस के आधार पर प्रथम पुरस्कार टीम किलर क्रिएशन के कप्तान अमित- निधि गांधी को, द्वितीय पुरस्कार टीम कुकिंग केव की टीम के कप्तान दीपम -गरिमा चोरडिया ,तृतीय पुरस्कार टीम शेफ सिटी के कप्तान निखिल- पायल पारख और अन्य को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया । ग्रुप के वर्ष 23 - 25 के इलेक्ट अध्यक्ष अजीत लोढ़ा ने स्वागत उद्बोधन दिया संस्थापक अध्यक्ष ने टीम को प्रोत्साहन भाषण एवं राजेश जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया । मंच संचालन गिरीश- रचना जैन ने किया। कार्यक्रम को टीम शेफ क्रेजी क्रू में राजेश- निर्मला खटोड़ ,अजय- अंजली बाफना, नितिन-प्रियंका जैन,अनुभव- रानू कटारिया, गिरीश- रचना जैन, मनोज- मधु कास्टिय, ग्रुप सचिव विपिन- वैशाली जैन मुकेश- मोंटू कर्णावट प्रदीप- सुनीता कोठारी अजीत- आशिमा लोढ़ा ने पूरे कार्यक्रम को व्यवस्थित किया।

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर

परम पूज्य आचार्यश्री 108 सन्मतिसागरजी महाराज का आचार्य पदारोहण दिवस मनाया

गुरू का आशीर्वाद आक्सीजन का कार्य करता है: आचार्य सुनिल सागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में परम पूज्य आचार्य श्री 108 सुनिलसागरजी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में आज परम पूज्य आचार्य श्री 108 सन्मतिसागरजी महाराज के आचार्य पद पदारोहण दिवस पर आचार्य सुनिलसागरजी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुये कहा कि यह हम सब के लिये सौभाग्य की बात है कि सांगानेर वाले बाबा आदिनाथ के चरणों में आज पूज्य गुरूदेव आचार्य श्री 108 सन्मतिसागरजी महाराज का आचार्य पदारोहण दिवस मना रहें है। गुरूमहिमा का गुणगान करते हुये आचार्यश्री ने बताया कि गुरू की भक्ति और आराधना से हमें उच्च गति की उर्जा प्राप्त होती है। गुरू का दिल जीत लो कामयाब हो जाओगे वरना सारी दुनिया जीतकर भी हार जाओगे। गुरू को क्या चाहिये, गुरू के साथ विनय से पेश आओ, हाथ जोड कर प्रणाम कर लो आप पर आशीर्वाद बरसता रहेगा। गुरू का आशीर्वाद आक्सीजन (प्राणवायु) का कार्य करता है। गुरू से जो मांगोगें वह मिलेगा यह जरूरी नही है लेकिन गुरू आपको वह देगा जो आपके लिये हितकारी हो। आचार्य श्री सन्मति सागरजी महाराज के जीवन दृष्टान्तों के संकलित संग्रहो के बारे में भी अवगत कराया और प्रेरणा दी कि हमें हमेशा सत साहित्य पढना चाहिये जिससे हमारा चरित्र भी उज्ज्वल होता है। जिन्दगी के टी.वी.पर भी जिन-वाणी का चैनल लगया करों ताकि हमें अच्छे संस्कार मिल सके। गुरूवर श्री सन्मतिसागरजी महाराज के जीवन के कई

संस्मरण सुनाते हुये सुनिलसागरजी महाराज ने बताया कि वे जमीन पर बैठते थे, जब लोगों ने उनसे पूछा कि आप तख्त-पाटा आदि पर क्यों नही बैठते हो तो उन्होने सरल और सोम्य स्वर में कहा कि जमीन पर बैठने वाला कभी गिरता नही है। एक बहुत बडा संदेश उन्होने संसार को दिया कि जो आसमान की उंचाईयों को छूता है, उसे भी एक दिन जमीन पर आना ही पडता है। लेकिन जो जमीन पर है वह तो वहां पर ही है उन्हे उंचे नीचे से कोई फर्क नही पडता। मानदमंत्री सुरेश कासलीवाल ने बताया कि प्रबन्ध कारिणी कमेटी के पदाधिकारियों ने वैशालीनगर जयपुर से पधारे हुये श्रेष्ठियों का तिलक माल्यार्पण कर स्वागत किया। मंच संचालन इन्द्रा बडजात्या ने किया।

श्री महावीरजी में 34वी हैंडबॉल फेडरेशन प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

चन्द्रेश जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीरजी। कस्बे में आयोजित हो रही हैंडबाल की 34 फेडरेशन कप का विधिवत उद्घाटन हुआ जिसके मुख्य अतिथि देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना, कार्यक्रम अध्यक्ष डांग विकास बोर्ड अध्यक्ष लाखन सिंह मीणा थे। आयोजन सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया की श्रीमहावीर जी मे आयोजित 34 वी हैंडबॉल फेडरेशन प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन हुआ । प्रतियोगिता में कुल 17 टीमें हिस्सा ले रही है प्रतियोगिता के सुबह से ही लीग मैचों का शुभारंभ हुआ कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र अपराहन 3 बजे आयोजित हुआ जिसके मुख्य अतिथि देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान डांग विकास बोर्ड अध्यक्ष

लाखन सिंह ने की। शुभारंभ के अवसर पर पधारे सभी अतिथियों का राजस्थानी परंपरा अनुसार पगड़ी व माला पहनाकर स्वागत किया। प्रतियोगिता में राजस्थान हैंडबॉल संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंदेश्वर पांडे, भारतीय हैंडबाल संघ के महासचिव डॉ तेजराज सिंह , राजस्थान हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष हरीश धनदेव, राजस्थान हैंडबॉल संघ के सेक्रेटरी यश प्रताप सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित किया ।34 वी हैंड बॉल फेडरेशन कप कार्यक्रम में पधारे सभी मेहमानों का गाजे बाजे के साथ स्वागत किया गया। सर्वप्रथम जैन मंदिर में भगवान महावीर के दर्शन उपरांत देवनारायण मंदिर पहुंचे जहां कमेटी सभी का स्वागत किया सर्वप्रथम क्षेत्र के शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। जिसमें कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय हैंडबाल संघ के महासचिव डॉ तेजराज सिंह ने कहा कि श्री महावीरजी में 34 ही फेडरेशन प्रतियोगिता का होना सौभाग्य का विषय है। क्षेत्र के खिलाड़ियों में प्रतियोगिता के आयोजन से रुचि बढ़ेगी। स्थानीय क्षेत्र में खेलों के प्रति और बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

महासमिति अधिवेशन के समापन पर किया सभी का सम्मान

महिलाओं द्वारा थूवोनजी में लघु नाटिकाओं का किया मंचन, बेनर प्रजेंटेशन में दी शानदार प्रस्तुति

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

महिला महा समिति के राष्ट्रीय अधिवेशन अलंकरण समारोह में विभिन्न सम्भागो द्वारा शिक्षा प्रद लघु नाटिकाओ का सुन्दर मंचन अधिवेशन के द्वितीय सत्र में किया गया। इसके साथ ही बेनर प्रजेंटेशन में विभिन्न स्थानों से आये संगठनों ने बहुत सुन्दर प्रस्तुति जन समूह की तालीयो की गड़गड़ाहट के बीच दी। अध्यक्ष शीला डोडिया जयपुर ने कि मुख्य अतिथि सुशीला पाटनी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मणीन्द्र जैन, विशेष अतिथि नपा अध्यक्ष नीरज मनोरिया, संजीव श्रागर, पार्षद रीतेश जैन, सालनी खेरा, इन्दू गांधी, विजय धुर्रा, राजेन्द्र हलवाई द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। सभी अतिथियों का सम्मान महासमिति के द्वारा किया गया।

थूवोनजी तीर्थ विकास की ओर अग्रसर है

समारोह के द्वितीय सत्र में थूवोनजी कमेटी की ओर से विजय धुर्रा ने कहा कि मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद से तीर्थ क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर है भविष्य में हम और भी अच्छी सुविधाएं देंगे। महासमिति की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष शीला डोडिया जयपुर ने कहा कि थूवोनजी में राष्ट्रीय अधिवेशन की सम्भावना कम लग रही थी। लेकिन इतनी अच्छी व्यवस्थाएं यहां देखकर मन प्रसन्न हो रहा। आगे भी हम इससे बड़े आयोजन अब आपके यहां करेंगे।

संभागों ने दी भव्य प्रस्तुति

इसके बाद धार संभाग द्वारा आचार्य श्री मागतुग स्वामी की कृति पर ,भोपाल संभाग द्वारा लव जिहाद पर, इन्दौर संभाग अंतर जातिय विवाह के दुष्परिणामो को इगित करते हुए सुन्दर नाटय रुपांतरित किया गया ।मुंगावली व अशोक नगर द्वारा भी बहुत ही अच्छी प्रस्तुति दी गई। जिसे उपस्थित जन समूह ने तालीयो कि गड़गड़ाहट से सराहा। वहीं जबलपुर संभाग की आचार्य श्री के द्वारा प्रेरित हथकरघा को लेकर, उज्जैन सम्भागीय द्वारा दहेज के दानव प्रेम की अंधी दौड के दुष्परिणामो से दो चार होते बेटियो की दशा कि प्रस्तुति से सभी का ध्यान खींचा।

विभिन्न संगठनों को मंच से किया सम्मानित

इस दौरान देशभर से महिलाओं की शाखाओं ने अधिवेशन में अपनी प्रस्तुति लेकर आए जिन्हें अतिथियों द्वारा समारोह में सम्मानित किया गया। इस में प्रथम स्थान सागर को द्वितीय स्थान अशोक नगर संभाग, तृतीय स्थान सिलवानी व मुंगावली को मिला बेनर प्रजेंटेशन में बेगमगंज प्रथम, धार जिला द्वितीय, विदिशा तीसरे स्थान पर रहे ।वहीं अलंकरण समारोह में उज्जैन सम्भाग सर्वश्रेष्ठ रहा। वहीं गुना से संध्या जैन, भोपाल से सपना अजमेरा रहीं। वहीं श्रेष्ठ मंत्री आराधना जैन, मुंगावली चंचल जैन इन्दौर, श्रेष्ठ महिला प्रकोष्ठ मीना जैन अशोक नगर, वहीं श्रेष्ठ सेवाकार्य निर्मला देवी मंडी वामौरा, शिक्षा सम्मान कमलेश जैन सिलवानी सहित अन्य अनेक विधाओं में अतिथियों द्वारा देशभर से आए शाखाओं को सम्मानित किया गया। अंत में तीर्थ क्षेत्र की गौरवमय परम्परा अनुसार मणीन्द्र जैन दिल्ली, शीला डोडिया जयपुर, श्रीमति सुशीलाजी पाटनी आर के मार्बल सहित सभी अतिथियों को थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान श्री आदिनाथ स्वामी के विशाल व पीत वस्त्र श्री फल भेंट कर कमेटी के संरक्षक संजीव श्रागर राजेन्द्र हलवाई प्रचार मंत्री विजय धुर्रा अशोक गांधी शैलेन्द्र श्रागर द्वारा सम्मानित किया गया।

संस्कृति विधा में सभी शाखाओं ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है : मणीन्द्र जैन

राष्ट्रीय अध्यक्ष मणीन्द्र जैन ने कहा कि संस्कृति विधा में सभी ने अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है यहां निर्णय करना भी मुश्किल हो रहा है। निर्णायक टीम के राजेन्द्र चौधरी, शैलेन्द्र श्रागर, श्रीमति किरण जैन द्वारा फिर भी लघु नाटिकाओ में शिक्षा के साथ संस्कार की बात देखने मिली। मध्यांचल अध्यक्ष इन्दू गांधी ने कहा कि सभी के सहयोग से थूवोनजी में राष्ट्रीय अधिवेशन की भूमिका बन गई आप सभी का सहयोग इसी तरह बना रहे।

जयपुर फिल्म फेस्टेवल में फिल्म काकोली के राम हुई प्रदर्शित

जयपुर. शाबाश इंडिया

रंगशाला प्रॉडक्शन द्वारा निर्मित अमित राय द्वारा निर्देशित फीचर फिल्म काकोली के राम ने अयोध्या फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का अवॉर्ड प्राप्त किया ।नॉर्थ ईस्ट फिल्म फेस्टिवल नागालैंड में सर्वश्रेष्ठ सोशल मैसेज केटेगरी में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का अवॉर्ड प्राप्त करने के पश्चात जयपुर फिल्म फेस्टिवल में आधिकारिक तौर पर ऑफीशियल सलेक्शन,चयन हुआ। फिल्म ''काकोली के राम'' 8 जनवरी 2023 को शाम 4 बजे जयपुर फिल्म फेस्टिवल के अन्तर्गत आइनॉक्स सिनेमाघर में प्रदर्शित की गयी। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन जयपुर के अनुसार उक्त फिल्म में प्रियांक टटारिया, बेबी तमन्ना, जैन, दीपक चौहान भाई, सीमा रॉय, अंकुश रत्नानी, मुजफ्फर खान, अमित घोष, मधु वेद, मनोज काला, प्रभात दूबे,आशीष सम्वत्सर, अजय, प्रथम जैन व समग्र कलाकारों ने अपने अभिनय से फिल्म को नई ऊंचाईयां प्रदान की, उम्दा सम्पादन इलैशा जैन, अमित भाई, प्रॉडक्शन टीम, अनिता गंगवाल, पंखुरी जैन, मेकअप व कला निर्देशक हिमांकी मादावत जैन पुलकित सेठिया , सूरज पांचाल, एवम समस्त काकोली के राम टीम की मेहनत रंग लाई। रंगशाला प्रॉडक्शन की प्रमुख साधना मादावत जैन ने बताया कि उक्त फिल्म का कथानक ग्रामीण पृष्ठभूमि में रामलीला और ग्रामीणों द्वारा निभाये गये चरित्र को आज से जोडती है। राम के किरदार से मिली सकारात्मक ऊर्जा किस तरह निराशा पर विजय दिलायी यह देखने को मिला। इस अवसर पर ख्याति प्राप्त विद्वान पंडित हुकम चन्द भारिल्ल, श्रीदिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीर जी के मंत्री महेन्द्र पाटनी, डॉ . णमोकार जैन, जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन,वीरेन्द्र कुमार जैन, अनिल जैन गदिया, सुमन लता जैन आदि अनेकों श्रेष्ठी व गणमान्य महानुभाव उपस्थित थे।इस अवसर पर डॉ.भारिल्ल ने अपने उद्बोधन में फिल्म की सराहना की, और सभी उपस्थित कलाकरों को बधाईयां दी। उदयभान जैन ने फिल्म में राम की भूमिका कर रहे कलाकार प्रियांक जी मुम्बई को उनके सराहनीय भूमिका के लिए बधाई व शुभकामनायें दी।

विरागोदय तीर्थ महोत्सव का हुआ भव्य आगाज

पथरिया. शाबाश इंडिया

परम पूज्य गणाचार्य विरागसागर जी महाराज (ससंघ 350 पिच्छी) के सानिध्य में दमोह जिले के पथरिया के विरागोदय तीर्थ मे आयोजित होने वाले महोत्सव हेतु गणाचार्य विरागसागर जी महाराज के सभी शिष्यों का आगमन निरन्तर चल रहा हैं। विरागोदय महामहोत्सव की मीडिया समिति के राजेश रागी ने प्रेस विज्ञप्ति मे बताया कि यति सम्मेलन के निर्देशक आचार्य विनम्रसागर जी महाराज ने साइटिका जैसे भयंकर दर्द को सहन करते हुए सोनागिरि से विरागोदय पथरिया तक निरंतर पद विहार किया। वर्तमान में आचार्य ससंघ अपने आराध्य गुरु विरागसागर जी महाराज के चरणों में विराजमान हो गये हैं। पंचकल्याणक निर्देशिका श्रमणी आर्यिका विशिष्टश्री माताजी (ससंघ) ने अपने चातुर्मास स्थल कानपुर से भीषण ठंड में निरंतर पद विहार करते हुए पथरिया पहुंचकर गुरु चरणों की वंदना की। इसी प्रकार आर्यिका विबोधश्री माताजी (ससंघ)ने भी छिंदवाड़ा (म.प्र.) से कड़कड़ाती ठंड, घने कोहरे, शीत लहर को नजरअंदाज करते हुए गुरु चरणों में पहुंचकर गुरु चरण वंदना की। ज्ञात हो कि पूज्य माताजी आहार में सिर्फ दो अनाज लेती है। <u>संकलनः राजेश रागी/रत्नेश जैन बकस्वाहा</u>

आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ को अजमेर आगमन हेतु श्री फल भेंट

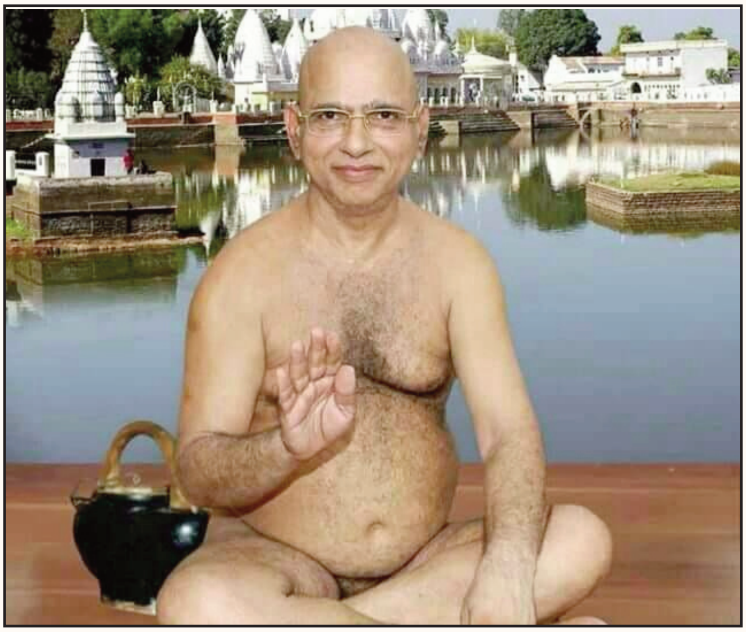

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर महाराज के ससंघ पावन सानिध्य में आगामी 22 से 27 जनवरी तक किशनगढ़ में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन होगा इस आयोजन हेतु आचार्य ससंघ का लगातार किशनगढ़ के लिये पद विहार चल रहा है। प्रवक्ता पदम चन्द सोगानी ने बताया किशनगढ़ पंचकल्याण तत्पश्चात आचार्य श्री ससंघ को अजमेर आगमन हेतु विहार मार्ग कुलथल गांव मे श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ सेवा समिति के अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल, महामंत्री कोमल लुहाडिया, राजेन्द्र पाटनी, ललित पाण्डया, ललित सेठी आदि ने श्री फल भेट कर अजमेर आगमन हेतु निवेदन किया ।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी ने कहा...

अहंकार से दूर रहें और इच्छाओं के गुलाम न बनें

जब इन्सान अपने अहंकार और इच्छाओं का शिकार होता है, तो वह स्वयं की मालिकयत से दूर और नशे का शिकारी बन जाता है फिर वह ना जी पाता है, ना मर पाता है...

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

मानव जीवन में अहंकार और इच्छा एक ऐसा मादक पदार्थ है जो किसी भी नशे की लत में आदमी को मजबूर कर सकता है। दुनिया में नशा करने वाले कितने लोग है, यह जानना ऐसा ही है जैसे रेत से तेल निकालना। नशा भी

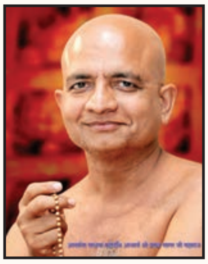

दो प्रकार का है - एक अच्छा नशा और एक बुरा नशा। फिर सही गलत क्या है-? जो नशा पाप से बचाये, पुण्य की राह दिखाये, स्वयं से मिलाये और परमात्मा बनाये, वह नशा सही और अच्छा है। यह नशा सबको होना चाहिए। दूसरा नशा - जो पाप की राह ले जाये, स्वयं से दूर कराये, और इन्सान से शैतान बनाये, यह नशा बुरा नहीं बल्कि जीवन जीने के लिए बहुत घातक है। आज के 20% लोग एक दवा के नशे में डूबे हैं-? ये है एन्टीडिप्रेसेन्ट। जिनके जीवन जीने में दबाव शुरू हुआ, फिर वह दबाव, तनाव में तब्दील हुआ, फिर उदासी बढ़ी, फिर आया अकेलापन, और अब आ गया डिप्रेशन। इस डिप्रेशन के दो साइड इफेक्ट हुए -- भय और नशा। बीमारी से बच नहीं पाये और दवा ही बिमारी बन गई। पुरी दुनिया में यही सब चल रहा है। मेरा आध्यात्मिक चिन्तन कहता है - यदि आप डिप्रेशन से बचने की दवा ले रहे है, या नींद की गोली खा रहे हैं, तो आप सावधान हो जाएं और 24 घन्टे में सिर्फ 10 मिनट आत्म चिन्तन मन्थन करें - यह सब मैं किसके लिए कर रहा हूं? जो मैं कर रहा हूं - क्या यह मेरा स्वभाव है-? नहीं ना -- जीवन का सारा खेल एक स्वांस रूकने का है।
नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अतीत के आईने से...

प्रगट हुए आदिनाथ भगवान तलघर वाले बाबा

शाबाश इंडिया

आलेख
संजय जैन बड़जात्या
राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री जैन पत्रकार महासंघ

आइए कुछ पुरानी स्मृतियों को ताजा करते हैं वर्ष 1993 मकर सक्रांति का पावन दिवस दोपहर का समय रहा होगा। श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर दीवान जी कामां के प्रांगण में एक छोटे कमरे की सफाई का कार्य करवाया जा रहा था। फर्श जीर्ण हो चुका था उसके निर्माण की रूपरेखा बनाई जा रही थी। मजदूर पुराने फर्श को उखाड़ने में लगे हुए थे कि अचानक एक चमत्कार होता है कमरे के एक कोने से एक शिला नीचे की ओर धसक जाती है और कार्य कर रहे मजदूर घबराकर कमरे से बाहर आ जाते हैं। समाज जनों को सूचना मिलती है आनन-फानन में कुछ लोग वहां एकत्रित होते हैं और देखते हैं कि एक पटिया नीचे धसक चुकी है और कुछ सीढ़ियां दिखाई दे रही है मंदिर के माली यानी कि व्यास को नीचे उतारा जाता है डरता हुआ व्यास उन सीढ़ियों के माध्यम से जैसे ही उस तलघर में नीचे उतरता है तो एकदम से जोर से बोल पड़ता है कि अब मुझे डर नहीं सब ने पूछा क्यों उसने कहा यहां तो भगवान विराजमान है और देखते ही देखते यह खबर पूरी नगर में फैलने लगती है जैन श्रावक श्राविकाओं का हुजूम देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथ भगवान की मनोहारी प्रतिमा को देखने के लिए उमड़ पड़ता है। और आदिनाथ भगवान तलघर वाले बाबा के जयघोष से वातावरण गुंजायमान होने लगता है। प्रतिमा पर लिखी प्रशस्ति से यह अवगत होता है कि यह प्रतिमा लगभग चौदह सौ वर्ष प्राचीन रही होगी चमत्कार तो देखिए कि तलघर के अंदर एक कोने में भगवान विराजमान है दो चौकी, पूजन के बर्तन,दीपक आदि वहां रखे हुए हैं मंदिर जैसा प्रतीत हो रहा है ऐसा लग रहा है कि वहां नित्य प्रतिदिन कोई पूजन करने आता है एक भी रज का कण वहाँ दिखाई नहीं पड़ता है बड़ी ही साफ-सुथरी जगह यानी तलघर में भगवान

विराजमान हैं। जिसने भी मन से ध्याया है उसके मन की इच्छा अवश्य पूर्ण हुई है। वास्तविक रूप से देखा जाए तो प्राचीन काल में जैन संस्कृति बड़ी ही मात्रा में फल फूल रही थी और उसका प्रमाण इन प्रतिमाओं का मिलना है। 14 जनवरी 93 से लेकर 14 जनवरी 23 तक 30 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। इस अवसर पर श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर दिवान जी कामां प्रबन्धकारिणी समिति एवं सकल जैन समाज कॉमा द्वारा 14 जनवरी को दोपहर एक बजे से विशाल रथयात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

सौभाग्य का उपहार, गरीबों के द्वार

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया। कल रात्रि पाँच सौ से भी अधिक मजदूर परिवारों को अम्मा के अनुपम आशीर्वाद, स्वामी निजामृतानंद जी का मार्ग दर्शन एवं हषार्मृत जी के दिव्य सानिध्य व भीषण सर्दी में आरामदायक ऊष्मा, आनंद लेकर आयी। आयुध की युवा टीम के सदस्य सैकड़ो कम्बल लेकर हर झोपडी में देने आये। अमृता हॉस्पिटल में कार्यरत सभी ई व्हीकल महिला चालकों, अन्य कर्मियों व अमृता हॉस्पिटल में कार्यरत पाँच सौ से अधिक लेबर परिवारों को आरामदायक,गर्मी दायक कम्बल प्रदान किये गये। जब सौभाग्य का उपहार एकाएक किसी के द्वार आ जाय तो खुशी कई गुनी हो जाती है, ऐसा यहाँ भी हुआ। बिना बताये आयुध, नर्सिंग कॉलेज के छात्र छात्राएं, व अमृता हॉस्पिटल की टीम सभी झोपड़ियो में लगभग शाम 7 बजे पहुँच गयी व सभी को सुंदर कम्बल भेंट किये। हर्ष, खुशी, उल्लास व आनंद के भाव सैकड़ो श्रमिक परिवार जनों के मन व मुख पर स्पष्ट झलक आये। सभी ने पूज्य अम्मा की असीम कृपा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की व स्वामी का आभार व्यक्त किया। टीम आयुध के युवाओं के मन में असीम उत्साह था । उपस्थित सदजनों में हर्षमृता जी के साथ सत्यपाल, जस्वीर, ए. पी. सिंह, व अमृता अस्पताल के नर्सिंग कॉलेज, IT टीम, अम्माची लैब, AOC उपस्थित थे ।